UGC NET

DAILY 12:00 PM

FILLERFORM LIVE NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य (PAPER-2)

वैचारिक पृष्ठभूमि

इकाई-4 (भाग-1)

BY JYOTI MA'AM

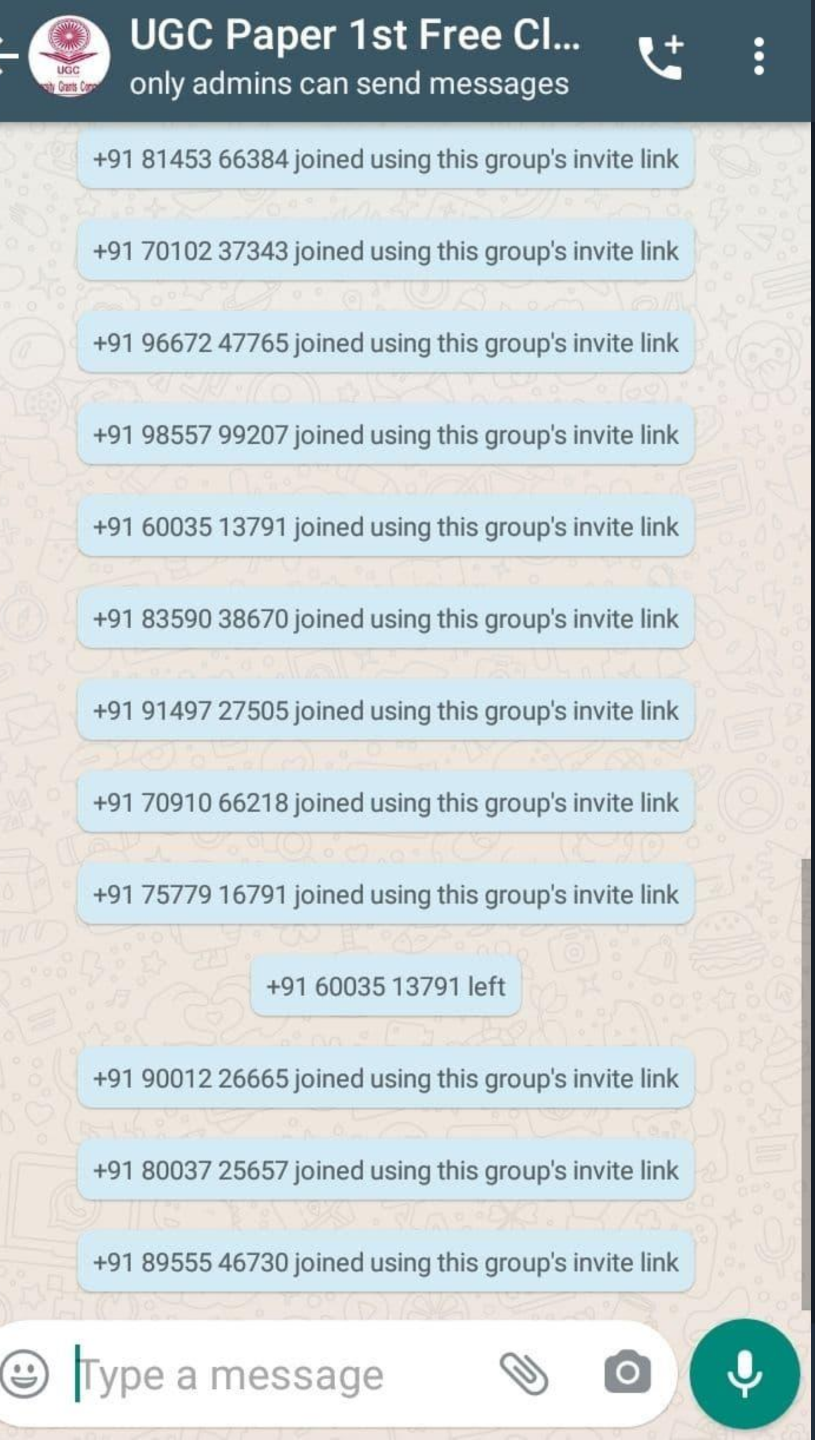
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

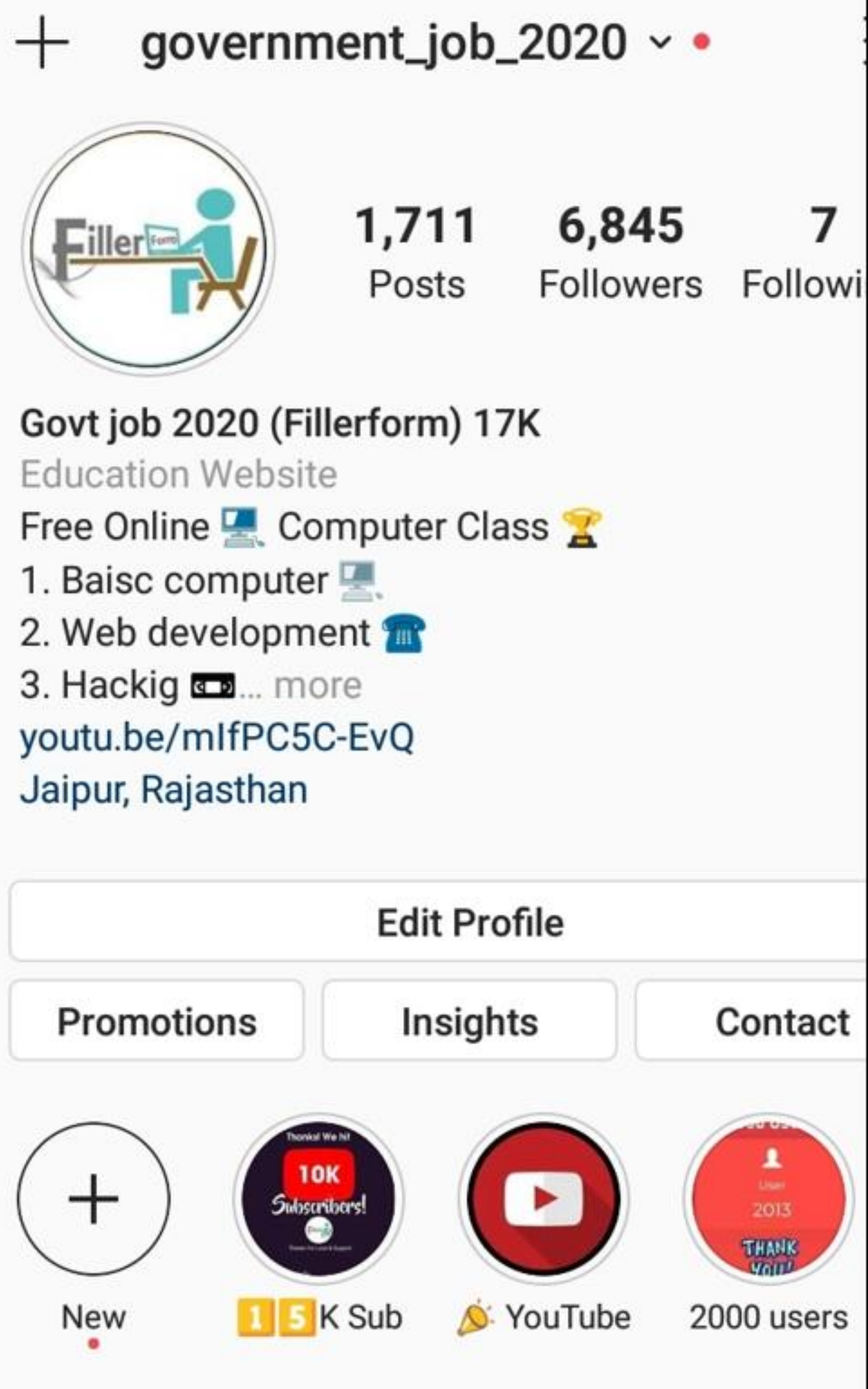
government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

- Free Notes
- Live Class
- 5000+MCQ+PYQ
- Free Books

100% OFF

fillerform

Join UGC NET Quiz

- 09:30 AM- GK
- 11:50 AM- Paper 1st
- 02:50 PM- Paper 1st PYQ
- 05:00 PM- 2nd Paper
- 09:50 PM- Math MCQ

www.ugc-net.com

वैचारिक पृष्ठभूमि

(भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि)

वैचारिक पृष्ठभूमि

(भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि)

भारतीय नवजागरण

1. 19वीं सदी भारतीय नवजागरण का अभूतपूर्व जागृति का काल रहा है जिसे रेनेसा ,पुनरुत्थान ,पुनर्जागरण, नवोत्थान ,नवजागरण समाज- सुधार काल आदि की संज्ञा दी गई है |
2. प्रारंभ में अंग्रेजी शब्द रैनंसा के लिए हिंदी में पुनर्जागरण शब्द का प्रयोग होने लगा था |
3. रामधारी सिंह दिनकर ने अपने ग्रंथ संस्कृति के चार अध्याय में इसे नवोत्थान नाम दिया है आज हिंदी में इस काल के लिए 'नवजागरण 'शब्द सर्वमान्य हो गया है |

4. नवजागरण जिसका जन्म मुख्य बुद्धिवाद समाज - सुधार वैज्ञानिक खोज सामूहिक उत्पादन प्रणाली के विकास के साथ हुआ का मुख्य आग्रह वेदों और पुराणों की ओर लौटना नहीं बल्कि एक नई संस्कृति ,नई दुनिया, रचने का प्रयास था |

5. डॉ रामविलास शर्मा "भारतीय नवजागरण का संबंध सामान्य राजा राममोहन राय ने जोड़ा जाता है"|

6.नवजागरण से राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक क्षेत्र में एक नवीन चिंतन प्रारंभ हुआ यह नवीन चिंतन हमारी अपनी परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हुआ जो अंग्रेजों की देन नहीं थी |

7. भारतीय नवजागरण में सन 1857 के महाविद्रोह का विशेष महत्व है यह क्रांति इतनी सशक्त थी जिसने देश और समाज को पूरी तरह झकझोर कर दिया|

8. इस महासंगम में हुई पराजय की प्रतिक्रिया स्वरूप स्वतंत्रता प्राप्ति की आकांक्षा और तीव्र हो जाती है|

9. 19 वी शताब्दी के इस संग्राम का सर्वाधिक प्रभाव समाजिक क्षेत्र पर पड़ा |

10. सन् 1887 ई. मे कोलकत्ता, मद्रास ,मुंबई में विश्वविद्यालय की स्थापना हुई |

11. एक तरफ जहां भारतीय मध्यवर्ग में एक वैचारिक आंदोलन का सूत्रपात हो गया था वहीं दूसरी और तत्कालीन समाज में अनेक प्रकार की धार्मिक रूढ़ियों ,अंधविश्वासों व सामाजिक कुरीतियां प्रचलित की जाति प्रथा, छुआछूत के साथ-साथ स्त्रियों की दशा बड़ी दयनीय थी बाल विवाह व सती प्रथा थी |

12. शिक्षित मध्यवर्ग में जो नवीन वैचारिक चेतना जागृति आई इसके परिणाम स्वरूप इन सभी धार्मिक रूढ़ियों अंधविश्वासों व सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठी इस प्रकार उत्पन्न नवीन चेतना तथा जागृति और उनके परिणामों के विचार कार्य कर कार्यक्रमों और प्रयासों के फलस्वरूप विभिन्न प्रकार के सुधार आंदोलनों का उदय हुआ जिन्हें संग्राम रूप से आधुनिक भारतीय नवजागरण कहा जाता है|

13. नवजागरण की भावना सर्वप्रथम धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में प्रविष्ट हुई फिर साहित्य एक कला में और स्वाधीनता आंदोलन में प्रवाहित हुई|

***बहुत सी संस्कृतिक जागरण संबंधित संस्थापक को की स्थापना हुई:-**

संस्था	संस्थापक	वर्ष
1. ब्रह्म समाज	1.राजा राममोहन रॉय	1. 1828 ईस्वी
2.प्रार्थना समाज	2.आत्माराम पांडुरंग / महादेव गोविंद रानाडे	2. 1867 ईसवी
3.रामकृष्ण मिशन	3.स्वामी विवेकानंद	3. 1897 इसवी
4. आर्य समाज	4.स्वामी दयानंद सरस्वती	4. 1875 इसवी
5 थियोसोफिकल सोसायटी	5.मैडम ब्लॉवत्सकी (1907 में अध्यक्षा एनी बेसेंट)	5. 1875 इसवी(न्यूयॉर्क में)

8209837844

www.ugc-net.com

सारांश

1.भारतीय नवजागरण में अनेक तत्व सहायक हुए हैं :-

१. शिक्षा २.व्यापारिक नीति ३.संप्रदायिकवादी नीति ४.पाश्चात्य संस्कृति ५.मिशनरियों के कार्य ६. प्रेम विकास ७.समाजिक को कुप्रयाएं

2. राजा राममोहन राय ने भारत में पत्रकारिता का भी शुभारंभ किया उन्होंने 1821 में बंगाली पत्रिका संवाद कौमुदी व 1822 में फारसी अखबार 'अल अखबार' की स्थापना की ये दोनों ही पत्र भारतीय नवजागरण की संदेशवाहक थे|

3. इन आंदोलनों का प्रभाव प्रेमचंद पर भी पड़ा उन्होंने स्वयं प्रेरित होकर एक विधवा स्त्री से विवाह किया|

8209837844 www.ugc-net.com

4. इस सभी आंदोलन के साथ स्वाधीनता आंदोलन का सूत्रपात हो चुका था|

5. प्रेमचंद के साहित्य में हमें राष्ट्रीय चेतना की अविच्छिन्न धारा आदि से अंत तक देखने को मिलती थी जिसका आधार वह राष्ट्रीय आंदोलन या जिनके जिसने एक लेखक के ही रूप में नहीं बल्कि एक साधारण नागरिक के रूप में प्रेमचंद की को प्रभावित किया था|

6. मुंशी प्रेमचंद ने अपनी संपूर्ण कथा साहित्य में सर्वधर्म समन्वयीवृत्ति का प्रतिपादन कर राष्ट्रीय चेतना की मशाल को बुझने नहीं दिया|

8209837844

www.ugc-net.com

स्वाधीनता आंदोलन

1.राष्ट्रीय महासभा (इंडियन नेशनल कांग्रेस)के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन जोर पकड़ रहा था यद्यपि कुछ असफलताएं इनके इतिहास में विद्यमान हैं |

2. प्रेमचंद का युग गांधीजी का युग था स्वतंत्रता आंदोलन में गांधीवाद की भूमिका महत्वपूर्ण हैं |

1.गांधीवाद

१. धर्मिक भेदभाव निरपेक्षता

२.जाति- प्रभा के विरोधी

३.हरिजनोध्दार

2.क्रांतिकारी आंदोलन

*1900 से लेकर अक्टूबर 1936 तक प्रेमचंद का साहित्यक जीवन माना जाता है यह वह समय था जब स्वाधीनता संग्राम के महत्वपूर्ण धरातल का निर्माण हो रहा था साथ ही संपूर्ण देश में क्रांतिकारी आंदोलन की लहर जागृत हो रही थी|

3.समाजवादी आंदोलन

*19वीं सदी के चौथे दशक में कांग्रेस के अंदर और बाहर समाजवादी विचारों का तेजी से प्रसार हुआ| विश्वव्यापी मंदी के कारण पूंजीवादी प्रणाली बदनाम हो गई व लोगों का ध्यान मार्क्सवाद ,समाजवाद व आर्थिक योजना के विचार की ओर गया |

*इस समय प्रेमचंद जी के प्रेमाश्रम, रंगभूमि ,कर्मभूमि उपन्यास उल्लेखनीय है |इस प्रकार समाजवादी साहित्य में तत्कालीन भारत की तस्वीर साफ और स्पष्ट दिखाई पड़ती है |

*देश की स्वतंत्रता के लिए 1857 से लेकर 1947 तक क्रांतिकारियों व आंदोलनकारियों के साथ ही लेखकों कवियों और पत्रकारों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई |

***भारतेंदु हरिश्चंद्र** का ' **भारत दर्शन'** नाटक जयशंकर प्रसाद का चंद्रगुप्त, स्कंदगुप्त, नाटक देश प्रेम की भावना जागरण के लिए बड़े कारगर सिद्ध हुए|

*सुभद्रा कुमारी चौहान की "झांसी की रानी "कविता ने अंग्रेजों की चूल्हे हिला कर रख दिए |
*स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बालू गुलाब राय का कथन " 15 अगस्त का शुभ दिन भारत के राजनीतिक इतिहास में सबसे अधिक महत्व का दिन है आज ही हमारी सघन कलुष कालिमामयी दासता की लौह श्रृंखला टूटी थी |आज ही स्वतंत्रता के नवोज्जवल प्रभात के दर्शन हुए थे |
*आज ही दिल्ली के लाल किले पर पहली बार यूनियन जैक के स्थान पर सत्य और अहिंसा का प्रतीक तिरंगा झंडा स्वतंत्रता की हवा के झोंकों से लहराया था |आज ही हमारे नेताओं के चिरसंचित स्वप्न चरितार्थ हुए थे | आज ही युगों के पश्चात शंख ध्वनि के साथ जयघोष और पूर्व स्वतंत्रता का उद्घोष हुआ था|

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com